फरीदाबाद
मजदूर समाचार
राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान–प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in>

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी,एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

नई सीरीज नम्बर 307 1/– जनवरी 2014

हम चाहते हैं आराम आदमी

आज हम पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि सात अरब लोगों में एक अस्थिरता है। एक संकट-पूर्ण अचम्भा उससे जुड़ा हुआ है। इतनी अधिक धन-सम्पदा का जो उत्पादन हो रहा है, वो जाता कहाँ है ? उसमें से आम जीवन में इतना कम क्यों आता है ?

अभी तक इस अस्थिरता को कुछ स्थिरता देने के लिये एक तर्क दिया जाता रहा है : हम जो पैदा करेंगे, उसका एक मामूली हिस्सा वेतन के रूप में हमें सीधा-सीधा मिलेगा, और बाकी कम्पनी तथा सरकार लेंगी जो कि घूम-फिर कर हमारे पास ही आयेगा। यह हमारे पास लौट कर आयेगा सड़क, बिजली, स्कूल, पानी, अस्पताल, रेल, पार्क, कूड़ेदान, लाइब्रेरी, नाट्यशाला, सिनेमाघर, कम्युनिटी सेन्टर, उद्यान, खेल मैदान, थाना, स्टेडियम, नई तकनीक, प्रशिक्षण संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, अनुसंधान केन्द्र आदि के रूप में।

इस तर्क की वैधता में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं। इन दरारों को समझाने के लिये एक और तर्क उभरा है : ये दरारें भ्रष्ट एवं कुटिल या फिर लापरवाह व्यक्तियों की वजह से हैं। इस दलील ने भ्रष्ट व कुटिल व्यक्तियों को हटाने और ईमानदार व्यक्तियों को शासन की बागडोर सौंपने के दबाव उत्पन्न किये हैं।

यह सामाजिक दबाव एक आशा लिये है कि भ्रष्ट और कुटिल लोग जिस धन को राह में ही लूट लेते हैं, या फिर विनाश-कार्यों में लगा देते हैं, उसे ईमानदार शासक व अधिकारी सामाजिक कार्यों में वापस ले आयेंगे।

इस आशा को औद्योगिक क्षेत्रों में टटोलें तो ऐसे कुछ बदलाव दिखने की उम्मीद करेंगे :

– न्यूनतम वेतन में अच्छी-खासी वृद्धि तत्काल देखने को मिलेगी।

– सब वरकरों को न्यूनतम वेतन से कुछ अधिक ही दिया जाने लगेगा।

– श्रम विभाग रिश्वत लेना बन्द कर, अपने कर्तव्यों का सख्ती से पालन करेगा।

– आठ घण्टे काम और साप्ताहिक अवकाश फिर से सामान्य बात हो जायेगी।

– ओवर टाइम अगर करवाया जायेगा तो दुगुनी दर से भुगतान किया जायेगा।

– फैक्ट्री में प्रवेश करते ही वरकर पर ई.एस.आई. तथा पी.एफ. के प्रावधान लागू हो जायेंगे।

ये मोटा-मोटी बातें तो होनी ही चाहियें। बाकी रही सुरक्षा, एक्सीडेन्ट मुआवजा आदि, वे तो उपरोक्त के संग आयेंगे ही।

अपनी थकान चुनने की आजादी

हम पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि सात अरब लोगों में एक अस्थिरता है। यह अस्थिरता रस-पूर्ण जीवन की इच्छाओं से प्रेरित है। यह एक रचनात्मक अचम्भे की अभिव्यक्ति है।

इस से उभरते दैनिक प्रयोग कुछ इस प्रकार के हैं :

– अपनी क्षमताओं को खोजने, जाँचने, विस्तार व गति प्रदान करने के लिये पर्याप्त समय पाना।

– नये रिश्तों की कल्पना करना, खोज करना, नये सम्बन्धों के प्रयोग करना, रिश्तों-सम्बन्धों में गहनता और व्यापकता के लिये बहुत समय होना।

– प्रकृति को नये सिरे से देखने, सोचने, अनुभव करने के लिये भरमार समय पाना।

– नई तकनीकों के आविष्कार में खो जाने के लिये खूब समय का होना।

– रात-भर नाचते-गाते थक कर चूर हो जाने के लिये सुबह उठने की चिन्ता से मुक्त समय पाना।

– जुनूनी रचना के लिये समय ही समय।

– ब्रह्माण्ड में लीन हो, समय के पार निकल जाने के लिये समय का होना।

आज वह समय है जिसने शासकों के '' आराम हराम है'' को पलट कर आराम को हम मनुष्यों की कार्य-सूचि पर ला दिया है। उत्पादन की थकान हानिकारक तो रही ही है, आज अनावश्यक भी हो गई है। आज सात अरब लोग अनगिनत इशारों, भिन्न-भिन्न रूपों और जुबानों में व्यक्त कर रहे हैं : आओ, जीवन रचना आराम और थकान की नई सोच से आरम्भ करें।■

सन्धार ऑटोमोटिव्ज

मजदूरों के बीच विश्व-व्यापी तालमेलों की अनिवार्य आवश्यकता को उभारता एक पर्चा विचारणीय है। ''सन्धार ऑटोमोटिव्स (भारत) के कुछ मजदूरों की ओर से'' शीर्षक वाला पर्चा कम्पनी की चेन्नई, पुणे, धुमसपुर (गुड़गाँव), आई.एम.टी. मानेसर स्थित फैक्ट्रियों के मजदूरों में बँटने के संग-संग, अनुवाद हो कर पोलैण्ड तथा स्पेन स्थित सन्धार कम्पनी की फैक्ट्रियों में भी बँटा है। इन्टरनेट पर सम्पर्क के लिये पता है: <workers.at.sandhar@gmail.com> । पर्चे की कुछ बातें हम यहाँ संक्षेप में दे रहे हैं।

दुनिया के कई देशों में सन्धार कम्पनी के कारखाने हैं जहाँ वाहनों के हिस्से-पुर्जे बनते हैं। चेन्नई फैक्ट्री में ***एम आर एफ*** से टायर, ***बेम्ब्रो*** से ब्रेक, ***एक्सेल*** से रिम आते हैं और जोड़ कर ***रॉयल एनफील्ड*** मोटरसाइकिल फैक्ट्री को भेजे जाते हैं। पुणे फैक्ट्री में ***जनरल मोटर्स*** वाहनों के दरवाजों के ताले तैयार किये जाते हैं। धुमसपुर (गुड़गाँव) फैक्ट्री में ***हीरो*** मोटरसाइकिलों, ***होण्डा*** कारों और अन्य वाहनों के आईनों के संग-संग वाहनों के कई हिस्से बनते हैं। आई एम टी मानेसर फैक्ट्री में ***मारुति सुजुकी*** के पार्ट्स तैयार किये जाते हैं। ***सत्यम ऑटो, ओमैक्स*** आदि मारुति सुजुकी वेन्डर सन्धार फैक्ट्रियों से जुड़े हैं।

कितना कुछ हो रहा है के उदाहरणों से ''कुछ हो नहीं सकता'' का खण्डन करते हुये पर्चा सन् 2006 में ***हीरो होण्डा*** की गुड़गाँव फैक्ट्री में और फिर उसी वर्ष आई एम टी मानेसर में ***होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर*** फैक्ट्री में ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों के कदमों की चर्चा करता है। गुड़गाँव में ***डेल्फी*** फैक्ट्री में 2007 में, धारूहेड़ा में ***हीरो होण्डा*** फैक्ट्री में 2008 में, पुणे में ***बॉश*** फैक्ट्री में 2009 में, आई एम टी मानेसर में ***नपिनो ऑटो*** फैक्ट्री में 2010 में, और ***मारुति सुजुकी*** मानेसर फैक्ट्री में 2011-2012 में मजदूर हलचलों का जिक्र पर्चे में है।

इतना सब हो रहा है कहते हुये पर्चा अन्त में इस सब को बहुत-बहुत बढाने के लिये उदाहरणों से प्राप्त कुछ सीख पेश करता है।■

निमन्त्रण

जनवरी में 26 तारीख वाले रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। हकलाना-काब्बा बोलना कोई झिझक की बात नहीं है। टुकड़ों में ही बातों के बारे में बेफिकर रहिये।

क्या करें और क्या नहीं करें, कैसे करें और कैसे नहीं करें हमारे लिये महत्वपूर्ण हैं। इस सन्दर्भ में प्रत्येक के अनुभव व विचारों का स्वागत है। चर्चाओं को-बहस को समेटने-समाप्त करने के प्रयासों से मुक्त ; आदरपूर्ण और आनन्दपूर्ण बातचीत की कोशिश है।

फैक्ट्रियों में रिसावों की एक झलक

ऋचा मजदूर : '' 193 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में प्रोडक्शन (सिलाई) होती है, कटिंग बाहर से आती है और फिनिशिंग बाहर (प्लॉट 192 में) होती है। एक लाइन में 40 सिलाई मशीन हैं और पहली मंजिल की चार लाइनों पर सुबह 9 से रात 10 बजे तथा दूसरी मंजिल की चार लाइनों पर सुबह साढे नो से रात सवा दस की शिफ्ट है। हर शनिवार को रात 12 बजे तक काम। कोई ठेकेदार नहीं है — सब मजदूर कम्पनी ने स्वयं भर्ती किये हैं। पीस रेट नहीं है — सब तनखा पर हैं। ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। प्रतिदिन के दो घण्टे के ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से और बाकी के ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। शनिवार रात 12 बजे तक काम के लिये रोटी के पैसे मजदूरों को नहीं देते — स्टाफ खा जाता है। जिस ओवर टाइम को दिखाते हैं उसमें गड़बड़ करते हैं, 5-10 घण्टे उड़ा देते हैं। नवम्बर की पे-स्लिप 4 दिसम्बर को बँटी तब दोनों मंजिलों के मजदूर एकत्र हो कर परसनल विभाग पहुँचे। बारह-सवा बारह बजे अन्दर और बाहर मजदूर ही मजदूर। एच आर विभाग वालों की पिटाई शुरू होने ही वाली थी कि प्रोडक्शन इन्चार्ज और प्रोडक्शन मैनेजर भागते हुये पहुँचे। नई पे-स्लिप बनाई गई।''

किरण उद्योग श्रमिक : '' प्लॉट 14 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में नवम्बर आरम्भ में प्रेशर डाइकास्टिंग विभाग में छत पर सरकी चद्दर को ठीक करने साहबों ने एक मजदूर को ऊपर चढाया। वह लड़का 30 फुट ऊँचाई से नीचे लौहा-लंगड़ पर गिरा। यहाँ ई.एस.आई. अस्पताल ले गये। वहाँ से गुड़गाँव भेजा। तीसरे दिन मृत्यु। वह मजदूर ठेकेदार के जरिये रखा गया था, कम्पनी ने उसके परिवार की कोई सहायता नहीं की। हम 150 मजदूरों ने 50-100 रुपये करके मृत मजदूर के परिवार को दिये। तीन महीने पहले एक सी एन सी मशीन पर टूल एक मजदूर के हाथ के आर-पार हुआ। घायल मजदूर ई.एस.आई. अस्पताल में एक महीने भर्ती रहा और फिर नौकरी छोड़ गया। फैक्ट्री में सब को पता था कि वह मशीन कभी-कभी अपने आप चल पड़ती है........उसे सुधारे बिना अब भी मजदूर उस पर लगा रहे हैं।''

मुँजाल किरियु वरकर : ''प्लॉट 192 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में ए व बी शिफ्ट मजदूर 18 दिसम्बर को कम्पनी के खिलाफ फैक्ट्री के अन्दर 2 बजे बैठ गये। करीब 500 पुलिसवालों ने जबरन मजदूरों को फैक्ट्री के बाहर किया। पुलिस ने रात 9 बजे तक मजदूरों को फैक्ट्री से निकाल दिया था। कम्पनी न्यायालय से 100 मीटर दूर वाला स्टे ले आई और 18 दिसम्बर से मजदूर फैक्ट्री के बाहर बैठे हैं। ....''

महीने में एक बार छापते हैं, 10,000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें। अन्यथा भी, चर्चाओं के लिए समय निकालें।

मै

प्रोम्पट सेक्युरिटी सर्विसेज वरकर : ''फरीदाबाद, गुड़गाँव, दिल्ली, अलवर में 50 फैक्ट्रियों को हैल्पर, सफाईकर्मी, सी एन सी ऑपरेटर, फिटर, वैल्डर, इलेक्ट्रीशियन सप्लाई करने के संग गार्ड भी उपलब्ध करवाती कम्पनी का कार्यालय बी-361, पहली मंजिल, नेहरू ग्राउण्ड, एन आई टी फरीदाबाद में है। पंजीकृत कार्यालय दिल्ली में पटपड़गंज में है जहाँ बस डाक आती है जिसे फरीदाबाद भेज देते हैं। यह कम्पनी 1985-86 से कार्यरत है पर अप्रैल 2009 से ***परनामी सेक्युरिटी एण्ड मैनपावर सर्विसेज*** की एक यूनिट के तौर पर रजिस्ट्रेशन हुआ है। आई एम टी मानेसर में हाईलैक्स, एडविक, मैग्नेटिक मारेल्ली, आदि में; गुड़गाँव में रघुबीर मशीनरी, स्पन माइक्रो प्रोसेसिंग, गैब्रियल, फ्रन्टीयर टैक्नोलॉजी, डोमिनेन्ट ऑफसैट प्रैस आदि में; ओखला में स्टर्लिंग, डेला फौकेट, स्टैन्डर्ड इलेक्ट्रोप्लेटिंग आदि में थे; फरीदाबाद में गैलियम, मुकुन्द, विकास स्ट्रीप्स, के.आर. रबराइट, कल्पना फोरजिंग, ग्लोबल ऑटो, भारत फोम उद्योग, एस के कार्बन आदि फैक्ट्रियों में प्रोम्पट सर्विसेज के जरिये रखे मजदूर काम करते हैं। कानून अनुसार सवेतन छुट्टी तथा बोनस फरीदाबद व दिल्ली स्थित मुकुन्द लिमिटेड और मानेसर स्थित हाईलैक्स में काम कर रहों को ही मिलते हैं, बाकी किसी फैक्ट्री में नहीं। ग्रेच्युटी प्रोम्पट द्वारा सप्लाई किये किसी मजदूर की नहीं है। क्लायन्ट से मजदूर का न्यूनतम वेतन, 5-10% सर्विस चार्ज, ई.एस.आई. के 4.75%, पी.एफ. के 13.61%, लेबर वैलफेयर फण्ड के 20 रुपये लेते हैं। ई.एस.आई, पी.एफ. की राशि, लेबर वैलफेयर फण्ड के 10 रुपये मजदूर की तनखा से भी काटे जाते हैं। जुलाई 2009 तक आधे मजदूरों की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. जमा करते थे और अब भी दस प्रतिशत की जमा नहीं करते। लेबर वैलफेयर फण्ड की एक तिहाई राशि ही प्रोम्पट कम्पनी जमा करती है। मई 1999 से जुलाई 2009 के दौरान 1, 32, 26, 476, रुपये पी.एफ. के जमा नहीं किये। इसी दौरान के ई.एस.आई. के 49, 14, 517 रुपये जमा नहीं किये। क्लायन्टों की सन्तुष्टि के लिये ई.एस.आई व पी.एफ. के फर्जी चालान उन्हें बिल के साथ भेज देते हैं। नौकरी छोड़ने पर मजदूर को फण्ड के बहुत कम पैसे मिलते हैं तब कह देते हैं कि जहाँ ड्युटी करते थे उस कम्पनी ने जमा नहीं किये। प्रोम्पट द्वारा सप्लाई मजदूर 700-800 हैं और गार्ड 100 से 250 होते रहते हैं। गार्डों में 25 की ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं, 50 की सिर्फ ई.एस. आई. है, और बाकी गार्डों की न ई.एस.आई., न पी.एफ.। गार्डों को सरकारों द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं देते। गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं और साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30 दिन के गार्ड को 5500-7000 रुपये देते हैं।''■

ऑटोफिट मजदूरों से चर्चा

धारूहेड़ा में हीरो मोटरसाइकिल फैक्ट्री के पीछे स्थित ऑटोफिट फैक्ट्री के 95 स्थाई मजदूर, 20 ट्रेनी, और तीन ठेकेदारों के जरिये रखे 298 मजदूर 9 दिसम्बर 2013 से फैक्ट्री के बाहर बैठे हैं। इन मजदूरों से 15 दिसम्बर को धारूहेड़ा में और 24 दिसम्बर को फोन पर बातचीत हुई।

ऑटोफिट कम्पनी की गुड़गाँव, हरिद्वार, और आई एम टी मानेसर में भी फैक्ट्रियाँ हैं। धारूहेड़ा फैक्ट्री में ***हीरो*** मोटरसाइकिलों के 14 हजार पहिये प्रतिदिन असेम्बल किये जाने के संग-संग ***हीरो, एस्कोर्ट्स, जे सी बी*** वाहनों की सीटें भी बनाई जाती हैं।

स्थाई मजदूरों ने अप्रैल में माँग-पत्र दिया तब 3 साल पहले के 3300 रुपये की जगह कम्पनी ने 2700 रुपये की बात की। मजदूर एक यूनियन से मिले और सितम्बर में स्थाई मजदूरों की यूनियन का पंजीकरण हुआ। स्थाई मजदूरों के संग ट्रेनी और ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर भी जुड़े। वर्षों से काम कर रहे टेम्परेरी मजदूरों को स्थाई करने और इस दौरान उनकी तनखा बढाने की बातें भी 7 दिसम्बर को मैनेजमेन्ट से समझौता वार्ता में उठी। यूनियन के दायरे को तोड़ता स्थाई और अस्थाई मजदूरों का जोड़ ऑटोफिट फैक्ट्री में वास्तविक मजदूर संगठन को उभार रहा था। खतरे को भाँप कर कम्पनी ने 9 दिसम्बर को 17 स्थाई मजदूरों को सस्पैण्ड किया तो कोई मजदूर फैक्ट्री में नहीं गया। मैनेजमेन्ट ने इसे गैर-कानूनी हड़ताल कहा और यूनियन ने इसे गैर-कानूनी तालाबन्दी कहा। दो जीपों और एक बड़ी बस में पुलिस फैक्ट्री पर। न्यायालय से मजदूरों को गेट से 300 मीटर दूर रखने का आदेश कम्पनी ले आई। नई भर्ती। एक सौ के करीब नये वरकरों, दो स्थाई मजदूरों और स्टाफ के लोगों के जरिये फैक्ट्री में उत्पादन जारी।

यूनियन श्रम विभाग गई पर कोई ठोस परिणाम नहीं। यूनियन ने डी. सी. से नई भर्ती रोकने का अनुरोध किया जो अनसुना रहा। सब ट्रेड यूनियनों ने 19 दिसम्बर को गुड़गाँव में मीटिंग कर श्रम आयुक्त से हस्तक्षेप की अपील की जो कि अनसुनी रही। तब यूनियनों के लीडरों ने 23 दिसम्बर को ऑटोफिट मजदूरों के साथ फैक्ट्री गेट पर प्रदर्शन किया और भाषण दिये।

धारूहेड़ा में ऑटोफिट फैक्ट्री के मजदूर जिन स्थितियों से गुजर रहे हैं वैसे हालात से मजदूर कई बार गुजरे हैं। फैक्ट्री गेट पर अथवा उससे कुछ दूरी पर बैठे रहना, श्रम विभाग में तारीखें, डी.सी. को-विधायक को-मंत्री को ज्ञापन, दस-बीस दिन में प्रदर्शन-मीटिंग और नेताओं के भाषण..... यह सब मिल कर उस राह का निर्माण करते हैं जो कि मजदूरों को थकाने की, हताश करने की, तोड़ने की राह है।

मजदूरों की ताकत अन्य मजदूर हैं। धारूहेड़ा के मजदूरों के गुड़गाँव, मानेसर, हरिद्वार के ऑटोफिट मजदूरों से सम्पर्क और तालमेल उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। हीरो फैक्ट्री से ऑटोफिट फैक्ट्री का उत्पादन सम्बन्ध है जिसे मजदूरों के बीच में सम्बन्ध बनाना मैनेजमेन्ट को पीछे हटाने में सक्षम है। धारूहेड़ा में ***रीको*** तथा ***ओमैक्स*** और फरीदाबाद में एस्कोर्ट्स एवं जे सी बी फैक्ट्रियों के मजदूरों से सम्बन्ध (लीडरों की बजाय मजदूरों से सम्बन्ध) ऑटोफिट मजदूरों के हाथों में एक कारगर औजार होगा। हीरो को सीट सप्लाई करती मानेसर स्थित ***मीनाक्षी*** फैक्ट्री के मजदूरों से सम्पर्क हीरो और ऑटोफिट पर दबाव बढायेगा।■

शासक इच्छा की पूर्ति...... *(पेज चार का शेष)*

दिल्ली इम्पलॉयमेन्ट एक्सचेन्ज बिल्डिंग, पहली मंजिल, के बी मार्ग, नई दिल्ली – 110001 फोन नं. 23383740 इमेल < labdlcnd.delhi @nic.in>

10. सीलमपुर, यमुना विहार, भजनपुरा, शाहदरा, वैलकम, मानसरोवर पार्क, सीमापुरी, नन्द नगरी, यानी उत्तर पूर्व दिल्ली के लिये – लेबर वैलफेयर सेन्टर, विश्वकर्मा नगर, शाहदरा, दिल्ली फोन नं. 22151001, 22145486

इमेल < labdlcnee.delhi @nic.in>

11. गाँधी नगर, गीता कालोनी, शकरपुर, विवेक विहार, आनन्द विहार, कृष्णा पार्क, प्रीत विहार, त्रिलोक पुरी, कल्याणपुरी, यानी पूर्वी दिल्ली के लिये पता तथा इमेल उत्तर पूर्व दिल्ली वाले ही हैं, और फोन नं. है 22151001

हरियाणा : 1. मुख्य मन्त्री,चौथी मंजिल, हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ फोन नं. 0172-2749396 (ऑफिस), 0172-2740877 (निवास)

2. श्रम मन्त्री, छठी मंजिल, हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ
फोन नं. 0172-2740145

3. श्रम आयुक्त, 30 बेज बिल्डिंग, पहली मंजिल, सैक्टर-17, चण्डीगढ
फोन नं. 0172-2701373, 2701266 (फैक्स)

गुड़गाँव में सब श्रम अधिकारियों के कार्यालय लघु सचिवालय में हैं। उद्योग विहार फेज 1, 2, 3, डी एल एफ फेज 1से 5, सिकन्दरपुर, डुण्डाहेड़ा, नाथूपुरा के लिये – श्रम अधिकारी सर्कल 1, फोन नं. 2322148

उद्योग विहार फेज 4 व 5, सैक्टर-18, हुडा एच एस आई डी सी, इलेक्ट्रोनिक सिटी सैक्टर-18, सैक्टर-17, सरोल, सुखराली, सैक्टर 21, 22, 23, पालम विहार के लिये – श्रम अधिकारी सर्कल 2, फोन नं. 2309870

सहारा मॉल से इफको चौक तक महरौली-गुड़गाँव के बाईं तरफ, इफको चौक से जलवायु विहार तक एन एच 8 के बाईं तरफ, सैक्टर-29, सुशान्त लोक, यूनिटेक साउथ सिटी 12, आई. डी. सी. -महरौली रोड़ इन्डस्ट्रीयरल एरिया, पुराने गुड़गाँव शहर, ओल्ड डी एल एफ कालोनी, सैक्टर 1से 3, 5,12, 12ए,14,15,15 पार्ट 2, चन्दन नगर, शीतला माता रोड़, खाण्डसा रोड़, दौलताबाद रोड़, भजगेडा रोड़, पटौदी रोड़, बसई रोड़, के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 3, फोन नं. 2309870

सैक्टर 30,31,32,39,40,43,44,47, 50 से 58, सरस्वती कुँज, सोहना तहसील के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 4, लघु सचिवालय, गुड़गाँव, फोन नं. 2220715

बिनौला, फतेहपुर, नवादा, मोहम्मदपुर, झाड़सा, भौढा कलाँ, पेस सिटी 12 सैक्टर 36, 37, उद्योग विहार फेज-6, सैक्टर 4, 7, 9, 9ए, 10,10ए, पटौदी तहसील और फरुखनगर के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 5, फोन नं. 2309870

आई एम टी मानेसर में सैक्टर 2 से 9 तक के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 6, लघु सचिवालय, गुड़गाँव, फोन नं. 2309870

फरीदाबाद में :– दिल्ली से फरीदाबाद में नीलम पुल तक मथुरा रोड़ के पश्चिम का क्षेत्र केनमोर विकास फैक्ट्री तक, एन आई टी में 2,3,4,5 नम्बर, सैक्टर-49, पाली स्टोन क्रेशर जोन के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 1, नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद फोन नं. 2410180

सैक्टर-24, इन्डस्ट्रीयल एरिया, एन एच 1, डबुआ कालोनी, भाखड़ी, नवादा, प्रैस कालोनी, मुजेसर इन्डस्ट्रीयल एरिया के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 2, पुराना ए डी सी ऑफिस, सैक्टर-15ए, फरीदाबाद, फोन नं. 2269660

सैक्टर 5,6,22,23,25,55,56, कृष्णा कालोनी, संजय कालोनी, सैक्टर-3, तिगांव, बल्लभगढ पुल से पलवल सीमा तक मथुरा रोड़ के पश्चिम में, के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 3, पुराना ए डी सी ऑफिस, फोन नं. 2292166

दिल्ली सीमा से वाई एम सी ए चौक तक मथुरा रोड़ के पूर्व में यमुना नदी तक का क्षेत्र और अन्य किसी को नहीं दिया क्षेत्र के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 4, पुराना ए डी सी ऑफिस, सैक्टर-15ए, फरीदाबाद फोन नं. 2265545, 9810477109

सैक्टर-4, 58,59, मोहबताबाद स्टोन क्रेशर जोन के लिये श्रम अधिकारी सर्कल 5, कोठी ए/2/20 सैक्टर-11ए, फरीदाबाद फोन नं. 2265545

जुड़ने-जोड़ने के लिये

मजदूर हितैषी मजदूर

लक्ष्य है : मजदूरों की सक्रियता बढाने में योगदान देना

सदस्य बनें , सहयोगी बनें

1. कानून हैं शोषण के लिये और छूट है कानून से परे शोषण की।

2. कानून अनुसार शोषण मुख्य तरीका है शोषण का।..... भाप-कोयले की मशीनों के दबदबे के दौरान शोषण की दर एक सौ-दो सौ प्रतिशत थी। आज इलेक्ट्रोनिक्स वाली मशीनों के दौर में मजदूर आठ-दस मिनट के काम द्वारा अपनी दिहाड़ी पैदा कर देते हैं। आज शोषण की दर तीन हजार-चार हजार प्रतिशत है। ..... आज मजदूर जो पैदा करते हैं उसके आधे से ज्यादा हिस्से, पचास प्रतिशत से अधिक को सरकारें टैक्सों के रूप में वसूल करती हैं। आज मजदूर जो उत्पादन करते हैं उसका एक-डेढ प्रतिशत हिस्सा ही मजदूरों को मिलता है। यह मजदूरों की आर्थिक दुर्दशा का मुख्य कारण है और इसकी समाप्ति के लिये मजदूरी-प्रथा का उन्मूलन एक अनिवार्य आवश्यकता है।

3. ....हम बहुत बड़े परिवर्तन के दौर में हैं। ज्यादा से ज्यादा मजदूरों की सक्रियता बहुत-ही जरूरी है अन्यथा बर्बादी हमारे सामने मुँह बाये खड़ी है। 4. इन हालात में कानून से परे शोषण के खिलाफ एक और संगठित प्रयास के तौर पर... ***मजदूर हितैषी मजदूर*** संगठन का गठन कर रहे हैं।...

8. ***मजदूर हितैषी मजदूर*** संगठन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये हम सदस्य बनने की अपील कर रहे हैं। जो मजदूर दिन काटने की बजाय जीवन जीने के प्रयास करना चाहते हैं उन्हें हमारा निमन्त्रण है : **मजदूर हितैषी मजदूर** संगठन के सदस्य बनें। ''समय नहीं है'' के इस दौर में कुछ समय देना सदस्यता की अनिवार्य शर्त है। संगठन किसी भी संस्था से कोई आर्थिक योगदान नहीं लेगा इसलिये संगठन का सदस्यता शुल्क पाँच रुपये होगा और मासिक आर्थिक योगदान स्वैच्छिक।

9. सदस्यों की सँख्या और सक्रियता आगे चल कर संगठन की गतिविधियाँ निर्धारित करेगी। इस बीच तीन संयोजक और मित्र अपनी क्षमता अनुसार प्रत्येक मजदूर और मजदूर समूह को कानून से परे शोषण के खिलाफ कदम उठाने में सहयोग करेंगे।

मजदूर हितैषी मजदूर संगठन का अस्थाई कार्यालय मजदूर लाइब्रेरी, ऑटोपिन झुग्गी, एन आई टी फरीदाबाद- 121001 है।

फोन : 0129-6567014

1. प्रताप सिंह, संयोजक : हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के कर्मचारी रहे हैं और अब वकालत करते हैं, मुख्यतः कर्मचारियों के केस लड़ते हैं।

फोन : 9818772710

2. जवाहर लाल, संयोजक : पोरिट्स एण्ड स्पैन्सर (वॉयथ) फैक्ट्री के मजदूर रहे हैं और अब श्रम न्यायालय में मजदूरों के केस लड़ते हैं। फोन : 9810933587

3. सतीश कुमार, संयोजक : गुडईयर टायर फैक्ट्री के मजदूर रहे हैं और अब ''मजदूर मोर्चा'' के सम्पादक हैं।

शासक इच्छा की पूर्ति हेतु

जयजयकार की शासकों की चाहत सामान्य जन की तुलना में बहुत ज्यादा होती है। दिल्ली में नई पार्टी की सरकार बनी है और हरियाणा में शासन कर रही पार्टी फिर से चुने जाने की कोशिशों में जुटी है। हरियाणा में शासक पार्टी ने 1 जनवरी 2014 से अकुशल श्रमिक (हैल्पर) के लिये 8 घण्टे की ड्युटी तथा साप्ताहिक अवकाश पर महीने में 8100 रुपये न्यूनतम वेतन का ऐलान कर रखा है। दिल्ली क्षेत्र में कुछ समय से न्यूनतम वेतन यह हैं : अकुशल श्रमिक को महीने के 8086 रुपये (8 घण्टे के 311 रुपये);
अर्ध-कुशल श्रमिक को महीने के 8918 रुपये (8 घण्टे के 343 रुपये);
कुशल श्रमिक को महीने के 9802 रुपये (8 घण्टे के 377 रुपये);
स्टाफ में दसवीं से कम पढे को महीने के 8918 रुपये (8 घण्टे के 343 रुपये);
स्टाफ में दसवीं पढे पर 14वीं पढे से कम को महीने के 9802 रुपये (8 घण्टे के 377 रुपये);
स्टाफ में स्नातक और उससे अधिक पढे को महीने के 10686 रुपये (8 घण्टे के 411 रुपये)

दिल्ली और हरियाणा में मजदूरों द्वारा इस समय न्यूनतम वेतन से अधिक तनखा, ओवर टाइम का भुगतान कानून अनुसार दुगुनी दर से, आदि-आदि के लिये बहुत छोटे-छोटे कदम उठाना काफी कारगर हो सकता है। हर कार्यस्थल के मजदूरों द्वारा, बढती सँख्या में फैक्ट्री मजदूरों द्वारा श्रम विभाग, प्रशासन, विधायक, श्रम मन्त्री, मुख्य मन्त्री को 25-50 पैसे के पोस्ट कार्डों के समुन्द्र में बैठा देना बनता है। मजदूरों द्वारा एक-एक करके, टोलियों में, भीड़ के रूप में अफसरों से मिलने जा कर, विधायक से मिलने जा कर, मन्त्री और मुख्य मन्त्री से मिलने जा कर उन्हें पत्र-दर-पत्र पकड़ा कर आवेदनों का सागर बना देना बनता है। वाणियों के महासागरों की सृष्टि में एक योगदान के तौर पर यहाँ कुछ पते दे रहे हैं।

दिल्ली : 1. मुख्य मन्त्री, थर्ड लेवल, ए विंग, दिल्ली सचिवालय, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली- 110002 फोन नं. 23392020, 23392030

2. श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली-110054 फोन नं. 23951115, 23962823 (फैक्स)

3. लाजपत नगर, हजरत निजामुद्दीन, श्रीनिवास पुरी, डिफेन्स कालोनी, ग्रेटर कैलाश, चितरंजन पार्क, कालकाजी, बदरपुर, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, हौज खास, अम्बेडकर नगर, मालवीय नगर, महरौली, यानी दक्षिण दिल्ली के लिये -

जिला श्रम कार्यालय, कमरा नं. 122-123, ए विंग, पहली मंजिल, पुष्पा भवन, पुष्प विहार, नई दिल्ली। फोन नं. 29957550, इमेल < labdlcs.delhi @nic.in>

4. वसन्त विहार, वसन्त कुन्ज, आर के पुरम, दिल्ली छावनी, लोधी कालोनी, कोटला मुबारकपुर, विनय नगर, इन्द्रपुरी, मायापुरी, नजफगढ़, डाबड़ी, जफरपुर कलाँ, यानी दक्षिण पश्चिम दिल्ली के लिये -

डिस्ट्रीक्ट इम्पलॉयमेन्ट एक्सचेन्ज बिल्डिंग, किर्बी प्लेस, नई दिल्ली - 110010 फोन नं. 25686232, 25682755, इमेल < labdlcsw.delhi @nic.in>

5. तिलक नगर, जनक पुरी, विकास पुरी, पटेल नगर, आनन्द पर्बत, मोती नगर, कीर्ति नगर, पंजाबी बाग, पश्चिम विहार, नाँगलोई, यानी पश्चिम दिल्ली के लिये -

लेबर वैलफेयर सेन्टर, करमपुरा, नई दिल्ली। फोन नं. 25100467, 25412680 इमेल < labdlcw.delhi @nic.in>

6. सरस्वती विहार, काँझावाला, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, नरेला, समयपुर, बादली, अलीपुर, किंग्जवे कैम्प, आर्दश नगर, अशोक विहार, शालीमार बाग, केशवपुरम (लॉरेन्स रोड़), यानी उत्त्तर पश्चिम दिल्ली के लिये -

लेबर वैलफेयर सेन्टर, निमड़ी कालोनी, दिल्ली-110052 फोन नं. 27308082, 27303622 इमेल < labdlcnnw.delhi @nic.in>

7. सिविल लाईन्स, तिमारपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय, रोशनारा रोड़, सब्जी मंडी, प्रताप नगर, सराय रोहिल्ला, सदर बाजार, कश्मीरी गेट, बाड़ा हिन्दूराव, यानी उत्तर दिल्ली के लिये पता व इमेल उत्तर पश्चिम दिल्ली वाले ही, और फोन नं. 27425892

8. दरियागंज, चाँदनी महल, जामा मस्जिद, कमला मार्केट, हौज काजी, आई.पी. इस्टेट, पहाड़ गंज, नबी करीम, डी.बी. गुप्ता रोड़, करोल बाग, प्रसाद नगर, राजिन्द्र नगर, यानी सेन्ट्रल दिल्ली के लिये -

इम्पलॉयमेन्ट एक्सचेन्ज बिल्डिंग, पूसा रोड़, नई दिल्ली- 110001

फोन नं. 25873957, 25846245, 25840037, इमेल < labdlcc.delhi @nic.in>

9. पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, मन्दिर मार्ग, चाणक्य पुरी, तुगलक रोड़, कनॉट प्लेस, तिलक मार्ग, यानी नई दिल्ली के लिये -

(बाकी पेज तीन पर)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। **RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/12-14**
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी-551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।